RE. CREATION OF IMPEDIMENTS IN THE STAGING OF SAHMAT SHOWS

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभापति महोदया, धन्यवाद । हमारे देश का सांप्रदायिक सद्भाव रहे और कोई हादसा इसके साथ न हो, इसलिए मैं हमारे देश की सरकार को सचेत करते हुए तथा इस सदन को सचेत करते हुए एक बहुत ही गंभीर मुद्दे की ओर आप सब का ध्यान आकर्षित करवाना चाहूंगी ।

उपसभापति महोदया, सफदर हाशमी मेमोरियल ट्रस्ट यानि "सहमत" का इतिहास हम सबको मालूम है और इसी "सहमत" के तत्वाधान में देश के ख्यातिप्राप्त रंगकर्मी, साहित्यकार, बुद्धिजीवी, पत्रकार 600 से अधिक संख्या में अयोध्या में इकट्ठे हो रहे हैं ताकि देश भर की जनता के सामने सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश पहुंचाया जाए । इसी श्रृंखला में "सहमत" के द्वारा वहां मुक्तनाद कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है । वहां एक प्रदर्शनी लगाई गई । फैजाबाद के तिलक हाल में जर्ब "हम सब अयोध्या" इस शीर्षक से प्रदर्शनी लगाई गई, जो अब तक 30 नगरों में आयोजित हो चुकी है और प्रदर्शनी के विरोध में कहीं भी विपरीत प्रतिक्रिया नहीं हुई बल्कि तमाम अखबारों, तमाम बुद्धिजीवियों ने अपना समर्थन दिया और कहा कि यह सांप्रदायिक सद्भाव के लिए एक अच्छा संदेश पहुंचाती है, उसी प्रदर्शनी को तोड़ने के लिए फैजाबाद के तिलक हाल में चंद समाज-विरोधी "जय श्रीराम" का नारा लगाते हुए गए । . . . **(व्यवधान)** . . . तमाम चित्रों को फाड़ कर फेंक दिया । . . . **(व्यवधान)** . . . यह जय श्रीराम का नारा लगाने वालों का चरित्र है ।

उपसभापति महोदया, यहां पर गृह मंत्री जी बैठे हुए हैं और प्रधानमंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं उनसे आश्वासन लेना चाहती हूं । "सहमत" जो यह कार्यक्रम कर रहा है, उसके मार्ग में लगातार बाधाएं डाली जाती हैं और फैजाबाद प्रशासन यह कर रहा है, कल वहां जिलाधीश ने अनुमति दे दी कि ठीक है, लेखक, शायर वहां बस स्टैंड पर मुशायरा करेंगे और जब यह मुशायरा आज होने वाला था तो वहां पुलिस, कांस्टेबल, तमाम कर्मचारी जाकर धमका रहे हैं कि आपको अनुमति कहां से मिली है, किसी की कोई अनुमति नहीं है और हम कोई मुशायरा या कवि-सम्मेलन यहां नहीं होने देंगे । फैजाबाद प्रशासन प्रतिबद्ध है कि "सहमत" का यह कार्यक्रम न होने पाए और वहां पर सांप्रदायिक उत्तेजना पैदा हो ।

उपसभापति महोदया, सफदर हाशमी एक ऐसे शख्स का नाम है, एक ऐसी शख्सियत का नाम है, एक ऐसे रंगकर्मी का नाम है, जिसने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया था अपने देश को बचाने के लिए, सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश पहुंचाने के लिए और उसी सफदर हाशमी की स्मृति में बना हुआ यह एक ट्रस्ट है । मैं यह चाहूंगी कि फिर ऐसा कोई हादसा न हो, फिर किसी सफदर हाशमी को इस तरह मरना न पड़े, फिर किसी रंगकर्मी को इस तरह मरना न पड़े, फिर हमारे देश की एकता और अखण्डता के साथ कोई खिलवाड़ मज़हब और मज़हबी जुनून के नाम पर न हो । इसके लिए हमको सरकार पूरा आश्वासन दे, गारण्टी दे ताकि हमारे रंगकर्मी, कलाकर्मी अपने घरों में घुसे न रहें बल्कि साहस के साथ अपने कर्त्तव्य निभाते रहें । हमारी जनता के प्रति, हमारे देश के प्रति, हमारा सबका कर्त्तव्य है ।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैंने इस विषय को सदन में उठाया था और सरकार की तरफ से हमको यह आश्वासन दिया गया था कि वहां पर यह कार्यक्रम करने की इजाजत दी जाएगी और सरकार इस बात को देखेगी कि वहां पर शांतिपूर्वक यह काम हो सके । मुझे अफसोस है आज इस बात का कि जब परसों वहां पर यह घटना घटी तो पुलिस का कोई आदमी "सहमत" के आदमियों की मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंचा । सरला माहेश्वरी जी ने बिल्कुल सही कहा कि प्रशासन के लोग बार-बार उनसे पूछते हैं कि आपको किसने इजाजत दी है ? राज्यपाल से मेरी व्यक्तिगत बात हुई थी, राज्यपाल जी ने कहा था कि वहां पर यह इजाजत दी जा रही है । मैं चाहता हूं कि सरकार इस पर स्पष्ट रूप से आज सदन में बयान दे । हम लोग कल फैजाबाद जाने वाले हैं, अगर यही माहौल बना रहा तो हम जाएं या न जाएं, यह भी सरकार हम लोगों को बताए । वहां पर तमाम देशभर से 600 से ऊपर लोग आ रहे हैं । तमाम नामी-गिरामी कलाकार हैं जिनपर हिन्दुस्तान को फक्र और नाज़ है । ऐसे कलाकार वहां पर हिन्दुस्तान की सद्भावना को प्रदर्शित करने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं । इसलिए सरकार, गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, स्पष्ट शब्दों में कहें कि यह कार्यक्रम कल वहां पर निश्चित ढंग से और सुनियोजित ढंग से होने जा रहा है या नहीं होने जा रहा है या उन कलाकारों के साथ कोई परेशानी खड़ी करने का प्रयास जिन लोगों के द्वारा हो रहा है, सरकार उनसे निबटेगी । सरकार चुपचाप बैठकर तमाशा देखेगी या अपने दायित्व का निर्वाह करेगी ?

गृह मंत्री (श्री एस॰ बी॰ चव्हाण) : मैं आपसे यह कहना चाहूंगा कि यह प्रोग्राम आप जरूर कर सकते हैं, उसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी और यू॰ पी॰ गवर्नमेंट से यह कहा जाएगा कि इसका पूरा इंतजाम किया जाए कि अगर कोई ऐसी गड़बड़ करने वाले लोग होंगे तो उनके साथ सख्ती से निबटा जाएगा । . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : दस कंडीशन्स इम्पोज़ की है उसके साथ . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu) : What happened to mosque should not be repeated here.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय उपसभापति जी, मैं यह जानकारी देना चाहता हूं कि मैं परसों फैजाबाद गया था । वहां जिलाधिकारी ने जो अनुमति दी है, उसके साथ दस शर्तें

लगाई है । इन शर्तों में एक शर्त यह भी है कि नदी के किनारे कोई नहीं जाएगा, नाव पर कोई नहीं बैठेगा, किसी हाल में 50 आदमी से ज्यादा इकट्ठे नहीं होंगे । तो ऐसी शर्तों को लगाकर के वहां क्या कार्यक्रम कर पाएंगे ? . . . (व्यवधान) . . .

SHRI V. GOPALSAMY: Listen. Why do you disturb?

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभापति जी, यह बहुत ही गंभीर बात है कि जो लोग सैक्युलरिज्म में विश्वास करते हैं, कुछ ऐसी ताकतें हैं जो उनको बोलने नहीं देतीं । फ्रीडम आफ स्पीच का जो हमारा अधिकार है, वह कुंठित हो रहा है । यह सदन बैठा हुआ है, पार्लियामेंट बैठी हुई है, सरकार भी है, लेकिन रक्षा नहीं की जा रही है । जिस प्रकार की घटना का जिक्र किया सरला माहेश्वरी जी ने, वह अत्यंत ही निंदनीय है । अब मैं चाहूंगा कि हमारे बी० जे० पी० के भाई इस पर बोलें । . . . (व्यवधान) . . .

श्री संघ प्रिय गौतम : हमसे क्या मतलब है इसका ? . . . (व्यवधान) . . .

SHRI V. GOPALSAMY: You are going to destroy the country.

श्री चतुरानन मिश्र : अभी बंगला देश में हिन्दुओं पर अत्याचार की इन्होंने चर्चा की, बहुत अच्छी बात है, हम सभी उसकी निन्दा करते हैं, लेकिन हमारे देश में जो आप लोग यह खुराफात कर रहे हैं, यह देश का सर्वनाश करने जा रहे हैं । . . . (व्यवधान) . . . इसलिए हम आपसे अपील करते हैं . . . (व्यवधान) . . .

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता (मध्य प्रदेश) : यह गलत आरोप है । . . . (व्यवधान) . . . यह गलत आरोप है, बगैर सोचे-समझे न बोलिए । . . . (व्यवधान) . . .

श्री चतुरानन मिश्र : क्यों नहीं बोलेंगे ? . . . (व्यवधान) . . . हम बोलेंगे क्यों नहीं ? . . . (व्यवधान) . . .

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता : यह आरोप गलत है । . . . (व्यवधान) . . . आपका आरोप गलत है । . . . (व्यवधान) . . .

श्री चतुरानन मिश्र : लज्जाजनक बात है, देशद्रोही बात है । . . . (व्यवधान) . . .

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : यह ज़बान क्या इस्तेमाल कर रहे हैं ? . . . (व्यवधान) . . .

شری سکندر بخت : یہ زبان کیا
استعمال کر رہے ہیں ... "مداخلت" ...

† [ ] Translitteration in Arabic Script.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं जवाब देता हूं । . . . (व्यवधान) . . . महोदया, इन्होंने कहा कि बी० जे० पी० वाले बोलें, आप इजाज़त दें तो मैं बोलता हूं । . . . (व्यवधान) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to call other people.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप जो कुछ कहने वाले हैं, मैं जानता हूं । . . . (व्यवधान) . . .

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) : सुप्रीम कोर्ट में आपने एश्योरेंस दी, उसके बाद मस्जिद तोड़ी, आपकी बात का क्या विश्वास किया जाए ? . . . (व्यवधान) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कांग्रेसियों ने सफदर हाशमी की हत्या की और आज आप बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं । . . . (व्यवधान) . . .

श्री संघ प्रिय गौतम : जिस तरह से यू० पी० में . . . (व्यवधान) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have other business. Yes, Shri Jaipal Reddy.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप शांत हो जाएं तो मैं बात करूं । . . . (व्यवधान) . . . जब देश का बंटवारा करना चाहते थे, तब कांग्रेस नहीं थी ? जब अकालियों ने गुरूद्वारे के अंदर हथियार जमा कर लिए थे, तो कांग्रेस नहीं थी ? आज आप साम्प्रदायिकता की बात कर रहे हैं । . . . (व्यवधान) . . . आपने साम्प्रदायिकता फैलाई है । . . . (व्यवधान) . . . क्या वहां कांग्रेस नहीं थी ? . . . (व्यवधान) . . . जो बिल आप लाना चाहते हैं . . . (व्यवधान) . . .

श्री एस० एस० अहलुवालिया : यह लोग कौन होते हैं पूछने वाले । . . . (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या बात करते हैं आप । . . . (व्यवधान)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : . . . (व्यवधान) . . . यह हमारा पड़ौसी राज्य है—बंगला देश । वहां की प्रधान मंत्री जिया बेगम जन्माष्टमी का त्यौहार मनाने के लिए उसका उद्घाटन करने जाती हैं और हमें शर्म आती है कि यहां साम्प्रदायिकता के खिलाफ जो आंदोलन और यह मुहीम . . . (व्यवधान) श्रीराम के नारे लगाकर लोग उस एजीटेशन को तोड़ डालते हैं । . . . (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यहां शोर मचा रहे हो और वहां किसका राज है ? तुम्हारा राज है । . . . (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : मैं यह पूछना चाहती हूं कि चतुरानन जी ने कहा कि यह खुराफात आप कर रहे हैं

. . . (व्यवधान) . . . वहां जिनका राज है, वो पकड़ते उन लोगों को । . . . (व्यवधान)

उपसभापति : प्लीज, बैठिए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या किया है कांग्रेस के नेताओं ने । आप क्या बात कर रहे हैं । . . . (व्यवधान)

उपसभापति : माथुर साहब, आप बैठेंगे ।

. . . (*Interruptions*) . . . Nothing is going on record on this. I have to bring it to an end. . . . (*Interruptions*) . . . I am not permitting anything. . . . (*Interruptions*) . . . Order, please.

*श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**

श्री एस० एस० अहलुवालिया : *

श्री विष्णु कान्त शास्त्री :*

श्री संघ प्रिय गौतम :*

उपसभापति : माथुर साहब, प्लीज, बैठ जाइए ।

Mr. Jaipal Reddy, the Prime Minister has to make a statement. After that I will allow you.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : I have to make a few points. . . . (*Interruptions*) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : Order in the House, please. . . . (*Interruptions*) . . . I am not permitting anything . . . (*Interruptions*) . . . Please, please.

उपसभापति : जे० पी० माथुर जी, आपने कुछ वचन दिया था कि आप हाऊस में जन शांति रखेंगे । तो आप जरा रखिए अपना वचन । . . . (व्यवधान) आप भी । . . . (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : *

उपसभापति : मैं दूसरे लोगों को भी मना कर रही हूं । . . . (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : *

उपसभापति : मैं मना कर रही हूं न । मैंने उनको भी मना किया है । . . . (व्यवधान) मैं सबको बोल रही हूं, बैठिए न । श्री जयपाल जी, आप बोलिए । . . . (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Madam. . . . . (*Interruptions*) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing anything. If you don't cooperate with the Chair, I will call the Prime Minister to make his statement, and that's all.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Just one minute, Madam. I wish to draw the attention of the House and the Government to the confusion created by the Supreme Court judgment in regard to reservation in promotions for SC and ST candidates. The Supreme Court, in its historic judgment on the Mandal issue, made a few casual remarks about the question of reservation in promotions for SC and ST candidates. The S.C. and S.T. candidates were not parties to the hearing at all. We raised the issue earlier. Our Minister of Welfare, Mr. Sitaram Kesri, was good enough to assure us with all the emphasis at his command that this particular observation of the Supreme Court would not be acted upon until the whole matter was looked into in all its aspects.

The question today is that some State Governments have already stopped giving effect to reservation in promotions for the S.C. and S.T. employees following the Supreme Court judgment. Therefore, there is need for the Government and for Parliament to respond to this situation. Fortunately, our Prime Minister is in our midst right here. I wish he could respond to this question. I learnt reliably that the Prime Minister also has applied his mind to this particular problem and that even a suggestion for amending the Constitution was being seriously considered. I wish the Prime Minister could rise and say a few words on this issue too.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Statement by the Prime Minister, Shri P. V. Narasimha Rao, regarding INSAT-2B satellite.

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh) : Madam, . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : Afterwards. After the statement, please. After the statement.

SHRI MENTAY PADMANABHAM : This is not . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : After the statement, please.

SHRI MENTAY PATMANABHAM : Madam, this is not . . .

---

*Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I said "After this statement, please".

SHRI S. JAIPAL REDDY: I would request the Prime Minister to respond to the issue I raised.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I said, "After the statement". After this statement, I will allow you after the statement.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Now you are not giving the permission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: After the statement.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: This is not fair, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I said, "After the statement". It was listed at 12.30 P.M. Let him finish it, and I will allow you.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I request the Prime Minister to respond to the issue I raised. It is a non-controversial issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, the ruling applies to you also.

STATEMENT BY PRIME MINISTER
Insat-2B

THE PRIME MINISTER (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): Madam, I am delighted to inform the Honourable Members of the House that the second indigenously built second generation multipurpose geostationary satellite, INSAT-2B has been successfully placed in its orbital position and all the payloads have been switched on. The spacecraft has been declared fully operational.

The 1932 Kg. satellite was successfully launched by the Ariane launch vehicle on July 23, 1993 and was injected into a geostationary transfer orbit. Immediately following the launch several critical manoeuvres were carried out using the systems on board the satellite by the INSAT Master Control Facility at Hassan in Karnataka. The satellite was first placed in a near geosynchronous orbit, nearly 36,000 KM above the earth, by firing the liquid apogee motor in three stages. Then the Spacecraft was allowed to move slowly towards its final orbital position at 93.5 Degree East longitude and all the deployments were carried out. INSAT-2B achieved its full in-orbit configuration on schedule, due to the excellent performance of all the systems on-board.

INSAT-2B carried 18 C-band transponders including six in extended C-band, 2 high power S-band transponders, a Very High Resolution Radiometer for meteorological imaging, a Data Relay Transponder and a Search and Rescue payload. A series of extensive checks and characterisation of all the payloads have been carried out and the Spacecraft will be put into regular operational use from August 15, 1993.

INSAT-2B will add capacity to the INSAT system for more long distance telecommunications circuits, business networks, remote area communication, teleconferencing, national and regional TV networks, Satellite TV channels, messaging and data net-works. The Search and Rescue Payload which is a new feature added to the INSAT-2 system will instantaneously detect distress alerts over a vast region around India for taking appropriate rescue measures.

INSAT-2B, like INSAT-2A is a complex and state-of-the-art spacecraft, and has been entirely designed and built in India with minimal imported parts and components. I am sure that Members of the House would join me in conveying our deep appreciation and heartiest congratulations to all the Scientists, Engineers, Technicians and other support staff of the Indian Space Research Organisation and the Department of Space for the great success that they have achieved in making available INSAT-2B for national services. The country can be justifiably proud of this magnificant achievement.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सर साहिब, हिन्दुस्तान को मुबारकबाद, हिन्दुस्तान के साइंटिस्टों को मुबारकबाद, हमारे इंजीनियर्स को मुबारकबाद। हम उम्मीद करते हैं कि हिन्दुस्तान इस तरक्की के रास्ते पर मुसलसल चलता रहेगा। अमेरिका हमारे साइंटिस्टों के रास्ते में रुकावट डालने की कोशिश कर रहा है। हम उसकी मज़म्मत करते हैं और हिन्दुस्तानियत से यह कहना चाहते हैं कि अपनी रफ्तार को, अपने कदमों की रफ्तार को बढ़ाये—तेज़तर गामज़न मन्ज़िले मादूर नेस्त। हमें वक्त को भी सामने रखकर अपने काम को जारी रखना है। हम को साल्हा साल महीनों में, महीनों को दिनों में बदलकर अपने काम को जारी रखना है। मैं दुबारा से हिन्दुस्तान के साइंटिस्टों को, हिन्दुस्तान के लोगों को मुबारकबाद देता हूँ। यकीनन यह मानता हूं कि यह बड़ी एचीवमेंट है।